RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 4 | मूल्य - रू.1/- | अप्रेल 2017 | पृष्ठ - 8

युवती सक्षमीकरण फैशन नहीं
21वीं शताब्दी की महती आवश्यकता है

'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम रूपी सूर्योदय से
समाज व देश नवप्रकशित होगा

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

मंथन : नारी तू नारायणी.....3

'स्मार्ट गर्ल' – लक्ष्य सिद्धि के चरण 4

बीजेएस का महाराष्ट्र सूखामुक्ति अभियान.....5

प्रतिभाएं – जो हमारी प्रेरणा के स्त्रोत हैं.....6

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार.....7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

मानव जीवन एवं सृष्टि हेतु जल की आवश्यकता एवं योग्य उपयोग के महत्व को समझाता 'अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस' 22 मार्च को समस्त विश्व में मनाया गया. जल के महत्व को भारतीय जैन संघटना ने वर्षों पूर्व मात्र समझा ही नहीं अपितु जल संकट निवारण पर कार्यरत भी है, जिसका विवरण हमने गत अंक मे प्रकाशित किया जो जल व जल संकट से सम्बद्ध सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूकता लाने का सारगर्भित प्रयास था.

160 वर्ष पूर्व 8 मार्च, 1857 को न्यूयार्क की औद्योगिक श्रमिक महिलाओं ने पुरुषों के समान अधिकारों की प्राप्ति हेतु क्रांति का शंखनाद किया था. महिलाओं को सम्मान व समान अधिकार देने की भावना से 8 मार्च को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है.विश्व इतिहास पर दृष्टिपात से हम पाते हैं कि कथनी एवं करनी में सदैव ही अंतर रहा है. ब्रिटेन जैसे विकसित,आधुनिक तथा प्रजातांत्रिक देश में औद्योगिक क्रांति के पश्चात महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिया जाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि महिलाओं के प्रति प्राचीनकाल से समस्त विश्व मे भेदभाव व्याप्त रहा है व उन्हें पुरुषों की अपेक्षा निम्न दर्जा दिया जाता है. ग्रीक दंतकथाओं व हिन्दू धर्म को छोड़कर विश्व के सभी संप्रदायों ने आद्य ईश्वर के रूप मे मात्र पुरुषों को ही स्वीकृत रखा है.

भारत की पौराणिक गाथाओं को गौरवान्वित करती शक्ति का प्रतीक दुर्गा, शिक्षा की देवी सरस्वती व समृद्धि की प्रतीक लक्ष्मी,आद्य ब्रह्म नारी के रूप मे प्रतिष्ठित है. भारतीय संस्कृति में 'नारी तू नारायणी' का सम्मान पाने वाली नारी, पुरुषों से ऊपर श्रेष्ठ प्रबंधन एवं सशक्त समाज का प्रतिरूप मानी गई है. भारत देश को गौरव प्रदान करने वाली महान महिलाओं से इतिहास भरा पड़ा है, किन्तु भिन्न-भिन्न कालों व बदलती सामाजिक स्थितियों में भारतीय नारी की दशा, अवदशा की सीमाओं को पार करती रही है, फलस्वरूप वह अभिशप्त जीवन जीने को भी बाध्य होती रही है.

देश की स्वतंत्रता के पश्चात, प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली में महिलाओं को भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुरूप समान अधिकार दिये गए जो निश्चित ही कथनी एवं करनी के भेद को मिटाने हेतु पर्याप्त रहे. विकासशील देश के रूप में हमारी प्रगति भले ही धीमी रही हो किन्तु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के समान अधिकारों व बेटे-बेटियों के मध्य की भेद रेखा को समाप्त करती सामाजिक चेतना के फलस्वरूप आज सभी क्षेत्रों में महिलाएँ निश्चित मुकाम हासिल कर रही हैं. भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम में महिलाएँ अद्वितीय योगदान कर रही हैं जिस पर हम सभी को गर्व होना चाहिए.

मित्रों! सिक्के का दूसरा पहलू भी है जिसकी गंभीरता को समझने व उस पर चिंतन-मनन करने की आवश्यकता है. 21वीं शताब्दी की भारतीय महिला अनेक अवरोधों के उपरांत भी निश्चित प्रगति की ओर अग्रसर है, किन्तु ऐसी महिलाओं का प्रतिशत कितना है? देश की समस्त महिलाओं की सामाजिक स्थितियों में क्या हम इच्छित परिवर्तन लाने में सफल हुए हैं? ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं की शैक्षणिक एवं सामाजिक स्थितियों में आज भी भारी असमानता विद्यमान है. आज देश की महिलाओं के समक्ष कौन-सी गंभीरचुनौतियाँ हैं? आधुनिकता की दौड़ में रची-पची युवतियाँ पारंपरिक एवं सांस्कृतिक सामाजिक मूल्यों से दूर स्वच्छन्दी जीवन की पक्षधर बन रही हैं,जिससे उनके आत्मसमान एवं सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है. आधुनिक जीवन शैली व पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित युवा पीढ़ी दिशा विहीन सी हो रही है.आदर्श व प्रगतिशील समाज के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका है, इस वास्तविकता को आ. श्री शांतीलालजी मुथ्था ने समय से समझा व गहन अध्ययन एवं अनुसंधान आधारित 'युवती सक्षमीकरण' कार्यक्रम का निर्माण ही नहीं किया अपितु समय-समय पर परिवर्तनशीलता से प्रभावित समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप उसमें सुधार कर पिछले 8 वर्षों में समाज की लगभग 30,000 युवतियों को सक्षम किया. इस अंक में 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम की आवश्यकता व किए जा रहे सक्षमीकरण के प्रयासों पर हम विस्तृत चर्चा आपसे कर रहे हैं.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

नारी तू नारायणी

मंथन

हर्ष का विषय है कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है, किन्तु नारी को मात्र बधाईयां देकर उसे सम्पूर्ण गौरव प्रदान नहीं किया जा सकता. नारी संवेदना स्वरूप बारामासी पुष्प परिवारों में जब खिलेगा तब ही समाज सुगंधित होगा. नारीवादी विचार ही वास्तव में मानवतावादी समानता का विचार है.

'महिला सशक्तिकरण' मात्र नारा नहीं है. महिलाओं की अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक व्यवस्थाओं में अत्यंत ही रचनात्मक भूमिका है, जिसे हम नज़रअंदाज नहीं कर सकते. यह योग्य समय है कि नारीवाद शब्द के मूल अर्थ को हम भली-भांति समझें. नौकरियों, व्यवसाय एवं वित्तीय सशक्तता में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में व्यापक परिवर्तन एवं प्रगति के हम सभी साक्षी हैं, किन्तु बावज़ूद इसके हम महिलाओं के प्रति अपने अचेतन पूर्वाग्रहों को त्यागने में अपेक्षाकृत रूप से तत्पर नहीं हैं. महिलाओं के प्रति हमारी मानसिकता एवं सोच में व्यावहारिक परिवर्तन लाने की नितांत आवश्यकता है. ऐसी स्थितियों का निर्माण समाज द्वारा ही होना चाहिए जिसमें महिलाएँ उनमें छिपी अपार नैसर्गिक संभावनाओं को लेकर आश्वस्त एवं गौरवान्वित हों. महिलाओं के लिए समानता का मतलब केवल समान वेतन, समान अवसर या केरियर चुनने की समान स्वतंत्रता ही नहीं अपितु परिवार व समाज द्वारा उन्हें यथा योग्य सम्मान देना समाहित है.

आन्दोलनों से जागृति आती है,
परिवर्तन नहीं.
दुष्कर्मों के लिए नारी को दोष देने की मानसिक
विकृतियों से हम स्वयं ग्रसित हैं.
दुष्कर्म पीड़िता को 'निर्भया' नाम देकर हम कर्तव्यों
की इतिश्री करने का प्रयास करते हैं.
'निर्भया' नाम देने से या 'इण्डियाज़ डॉटर' कहने से
समाज नहीं बदलेगा.
परिवर्तन समाज ला सकता है, कानून नहीं.
नारी ऊर्जा का स्वरुप है,
जिसका संरक्षण एवं नियंत्रण
दोनों ही समाज को योग्य
दिशा देने हेतु आवश्यक है.

इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में देश की 6000 महिला सरपंचों को संबोधित किया. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का गांवों के उत्थान, विकास तथा प्रबंधन से देश निर्माण की प्रक्रिया में प्रबल योगदान, ग्रामीण भारतीय नारी के आत्मविश्वास एवं अपार क्षमताओं का परिचायक है. देश की महिलाओं द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में की जा रही प्रगति अत्यंत ही सूचक है. हाल ही में ISRO द्वारा किए गए प्रक्षेपण व 104 देशी व अंतर्राष्ट्रीय सेटेलाइट्स का अंतरिक्ष में प्रस्थापित करने की महत्वपूर्ण सिद्धि में महिला वैज्ञानिकों ने रचनात्मक भूमिका निभाई है. नारी शक्ति की सृष्टि के निर्माण से लेकर समाज निर्माण में निश्चित भूमिका है जिसकी अवगणना होनी ही नहीं चाहिए, किन्तु पुरुषलक्षी समाज में मनोसामाजिक एवं विसंगत सांस्कृतिक विकृतियों के कारण महिलाओं के साथ अन्याय या दुर्व्यवहार सामान्यतः सभी कालों में मात्र देश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में होता आया है. अपने जीवन में विभिन्न भूमिकाएं निभाने की वजह से आजकल महिलाएं कार्यस्थल, घर एवं समाज में विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही हैं. हम महिलाओं से अपेक्षा रखते हैं कि वे मेहनत एवं ईमानदारी से नौकरी करने के अलावा गृहिणी, बेटी, बहु, पत्नि एवं समाज में निर्धारित कई अन्य भूमिकाओं को शानदार तरीके से निभाएँ, किन्तु अपेक्षाएं पूरी न कर पाने की वजह से ज़्यादातर महिलाएं अपराधबोध से ग्रसित भी रहती हैं. कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं बेहतर माहौल के अलावा, महिलाओं के प्रति समाज के दृष्टिकोण एवं व्यवहार में भी व्यापक स्तर पर बदलाव लाने की आवश्यकता है.

भारतीय जैन संघटना ने वर्षों पूर्व देश व दुनिया में आ रहे परिवर्तनों से समाज व विशेष रूप से परिवारों पर पड़ने वाले कुप्रभावों का गहन अध्ययन किया. भारतीय महिलाओं की देश के स्वतन्त्रता काल पश्चात की विद्यमान सामाजिक स्थितियों व आने वाले कुछ दशकों में महिलाओं की दशाओं में व्यापक बदलाव की संभावनाओं, परिवार के बदल रहे कार्य क्षेत्र, लैंगिक भूमिकाओं में व्यापक परिवर्तन का दौर व हर कदम पर दस्तक दे रही आधुनिक तकनीकी के संदर्भ में युवतियों को सही दिशा देने के उद्देश्य से योग्य एवं समयोचित मार्गदर्शन देकर उन्हें सक्षम करने का बीड़ा उठाया गया. हमारी पृथ्वी जिस धुरी पर टिकी है वह मजबूत होने के साथ संतुलित व गतिमान है. यह स्मरण में रहे कि महिलाएं वह धुरी है जिस पर परिवार व समाज टिका हुआ है तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पुरुषों से अधिक अहम् है.

समाज की युवतियों हेतु अनुसंधान आधारित तैयार किया गया परिणामलक्षी 'युवती सक्षमीकरण' कार्यक्रम बीजेएस ने गत 8 से अधिक वर्षों से संचालित किया जिसमें 30,000 से अधिक युवतियों को सक्षम कर समाज को योग्य दिशा देने का भागीरथ प्रयत्न किया गया. हमारे प्रयासों की सार्थकता व समाज को युवतियों के माध्यम से योग्य दिशा देने के परिणामों के मद्देनजर आ. श्री. शांतीलालजी मुथ्था ने व्यापक स्तर पर इस कार्यक्रम को ले जाने का निश्चय किया. नित हो रहे सामाजिक परिवर्तनों के फलस्वरूप व समय की मांग के अनुरूप 'युवती सक्षमीकरण' पाठ्यक्रम में आवश्यक परिवर्तन समय-समय पर किए गए व उसकी नवीन आवृत्ति 'स्मार्ट गर्ल' को हाल ही में प्रभावी बनाया गया है. नवंबर माह में चैन्नई में आयोजित बीजेएस के राष्ट्रीय अधिवेशन में मात्र 3 वर्ष की अवधि में 2 लाख से अधिक विद्यालयी छात्राओं एवं युवतियों को सक्षम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया. इस हेतु महाराष्ट्र राज्य सरकार की अनुमति से अहमदनगर जिले की सरकारी माध्यमिक विद्यालयों की 1 लाख से अधिक छात्राओं को सक्षम करने हेतु 72 सरकारी शिक्षकों को मुख्य प्रशिक्षक का प्रशिक्षण देकर कुल 1056 प्रशिक्षित शिक्षकों के माध्यम से अब यह लक्ष्य पूर्णता की ओर है. 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के समाजलक्षी महत्व एवं बीजेएस के निर्धारित लक्ष्य के अनुसन्धान में अब अहमदनगर जिले के परिणामों का मूल्यांकन कर इसे अन्य जिलों में ले जाने का निर्णय लिया है.

युवा पीढ़ी को सक्षम करना समाज व राष्ट्र निर्माण हेतु परम आवश्यक है, इस वास्तविकता को समझा गया है व निकट भविष्य में सम्पूर्ण देश की विद्यालयी छात्राओं को 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के माध्यम से 21वीं शताब्दी की सामाजिक चुनौतियों का सामना करने हेतु सक्षम किया जाएगा. इसके अतिरिक्त बीजेएस उसके राष्ट्रव्यापी नेटवर्क से समाज की युवतियों एवं गैरसरकारी विद्यालयों के माध्यम से छात्राओं को सक्षम कर आदर्श समाज की रचना में सदैव कार्यरत रहने हेतु कृत-संकल्पित रहेगा.

'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम – लक्ष्य सिद्धि के विभिन्न चरण

बीजेएस के चैन्नई राष्ट्रीय अधिवेशन में 3 वर्ष की अवधि में 2लाख विद्यालयी छात्राओं को 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम से सक्षम बनाने के निर्धारित लक्ष्य के अनुसन्धान में अहमदनगर जिले को बीजेएस व महाराष्ट्र सरकार द्वारा चयनित किया गया व जिले की 903 सरकारी विद्यालयों की छात्राओं को सक्षम बनाने की योजना बनाकर प्रथम चरण में 72 सरकारी शिक्षकों को मुख्य प्रशिक्षक का प्रशिक्षण दिया गया. तत्पश्चात इन मुख्य प्रशिक्षकों ने जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के 1009 शिक्षकों को 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम का प्रशिक्षक बनाने का प्रशिक्षण दिया. 23जनवरी, 2017 से इन प्रशिक्षकों ने 'स्मार्ट गर्ल' कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं को सक्षम बनाने का कार्य प्रारम्भ किया.

महाराष्ट्र की प्रख्यात व बड़ी शैक्षणिक संस्था 'रयत शिक्षण संस्था' देश में एक हज़ार से अधिक विद्यालय एवं कॉलेज का संचालन करती है. इस संस्था ने 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम से छात्राओं को सक्षम बनाने हेतु सतारा (महाराष्ट्र) में प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जिसमें 49 शिक्षिकाओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख से प्रशिक्षण प्राप्त किया.

Federation of Jain Education Institutes हेतु सांगली (महाराष्ट्र) में लट्ठे एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर में 39 शिक्षिकाओं तथा 21 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया. प्रशिक्षण श्री प्रफुल्ल पारख एवं श्रीमती सुलक्षणा ओहोल ने दिया. पाचोरा (जलगांव) में श्री कांतिलाल श्रीश्रीमाल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर में 8 शिक्षण संस्थाओं के 23 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण श्री संजय सिंघी, राष्ट्रीय सचिव, बीजेएस से प्राप्त किया.

बीजेएस नेटवर्क के माध्यम से 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम सभी राज्यों में ले जाने के उद्देश्य से प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पुणे में बीजेएस के वाघोली स्थित शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र में आयोजित किया गया जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, तामिलनाडू एवं राजस्थान से कुल 73 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया.

जनवरी से मार्च, 2017 तक कुल सक्षम की गयी छात्राओं/युवतियों का विवरण

माध्यम	कार्यशालाओं की संख्या	सक्षम हुई छात्राओं की संख्या
अहमदनगर जिले के सरकारी विद्यालय	1045	70,905
फेडरेशन ऑफ़ जैन एजुकेशनल इंस्टिट्यूट	19	977
बीजेएस नेटवर्क	16	846
रयत शिक्षण संसथान	13	528

Smart Girl
To be Happy
To be Strong

बेटियाँ हमारी आन हैं, बान हैं और शान हैं

आधुनिक युग में शिक्षा के प्रसार एवं बड़ी हुई जागृति के उपरांत भी 'बेटी बचाओ' जैसे अभियानों की आवश्यकता देश में बनी हुई है. यह देश के लिए निश्चित ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है.

'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम से जुड़कर देश की बेटियों को सक्षम कर, सशक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनें.

महाराष्ट्र के 13 जिलों के 2000 गांवों को सूखामुक्त करने की योजना का हुआ श्रीगणेश

#MAHARASHTRA DROUGHT - FREE MOVEMENT

भारतीय जैन संघटना लगभग पिछले 32 वर्षों से प्राकृतिक आपदा निवारण में देशभर में आवश्यकतानुरूप राहत, बचाव एवं निर्माण कार्य करती रही है. वर्ष 2013 में महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित बीड ज़िले के 117 तालाबों को गहरा कर जल संचय क्षमता को व्यापक बनाने के साथ-साथ 20 लाख क्यूबिक मीटर सिल्ट निकालकर उसे 5000 एकड़ कृषि भूमि में फ़ैलाने का कार्य किया जिससे इन खेतों की फुलद्रुपता 3 वर्षों हेतु बढ़ गयी. वर्ष 2015–16 में मराठवाडा क्षेत्र के लातूर, बीड, उस्मानाबाद जिलों में नदियों, नालों एवं तालाबों की खुदाई कर जल संचय क्षमता बढ़ाने का कार्य किया गया. पिछले पांच वर्षों से महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति अत्याधिक विकट हुई व हजारों किसान आत्महत्या हेतु विवश हुए, अतः इस सामाजिक आपदा के निवारण में बीजेएस की सूखामुक्ति योजना कारगर साबित होगी.

महाराष्ट्र में पिछले वर्ष 'पानी फाउन्डेशन' ने वाटर कप प्रतियोगिता आरंभ की. इस प्रतियोगिता की विशेषता है कि गाँव वालों को संगठित करना, गाँव द्वारा चयनित पांच व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना, गाँव के लिए वाटर शेड मैनेजमेंट योजना स्वयं गाँव वालों से तैयार करवाना तथा गाँव के स्तर पर सामूहिक श्रमदान द्वारा बढ़ी हुई भू-गर्भीय एवं भू-स्तरीय जल संचय क्षमताओं से गाँवों को आत्मनिर्भर बनाना है. यह योजना महात्मा गाँधी के ग्राम स्वराज्य एवं स्वाबलंबन के विचारों को व्यावहारिक स्वरुप प्रदान करती है, ऐसा बीजेएस का दृढ़ विश्वास है. पिछले वर्ष 'पानी फाउंडेशन' की यह प्रतियोगिता महाराष्ट्र के तीन तहसीलों के सभी गांवों के लिए आयोजित की गयी थी. इस वर्ष यह प्रतियोगिता महाराष्ट्र के 13 जिलों के 30 तहसीलों हेतु घोषित की गयी है जिसमें 2000 से अधिक गांवों ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने की घोषणा की है. देश में पहली बार किसी राज्य में एक साथ 2000 गांव सामूहिक श्रमदान से जल संबंधी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर जल संकट से स्थाई छुटकारा पायेंगे.

इन 2000 गांवों के लोग अपने-अपने गाँव में भरपूर श्रमदान करेंगे. श्रमदान के सराहनीय कार्य के उपरांत भी गाँव की भौगोलिक स्थिति, पहाड़ी-ढलानी भूमि, पथरीली व चट्टानी सतह पर श्रमदान करना अत्याधिक कठिन है, अतः बीजेएस के संस्थापक श्री शांतीलाल मुथ्था ने महाराष्ट्र के राज्य स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक में "श्रमदान से सूखामुक्त होने वाले 2000 गांवों को पूर्ण सहयोग करने के उद्देश्य से ऐसे स्थलों पर मशीनों की सेवाएँ उपलब्ध कराने का नीतिगत निर्णय लिया है.

बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख के नेतृत्व में जिला समितियों का गठन किया गया है व सभी 13 जिलों में जिला समन्वयक व लगभग 50 तालुका पर्यवेक्षको की नियुक्ति की गई है तथा 400 पोकलेंन अथवा 1200 जेसीबी मशीनों की सहायता से दो माह की निश्चित अवधि में यह कार्य पूर्ण करने की योजना बनाई गयी है.

सूखे से महाराष्ट्र की विकट स्थिति व भू-गर्भीय जल के नीचे उतरे हुए स्तर के मद्देनज़र श्रमदान के माध्यम से कार्य करने वाले गाँव को मशीनी सेवाएँ देकर जनसहभागिता द्वारा जल संकट से मुक्ति पाना है.

भारतीय जैन संघटना का यह क्रांतिकारी सामाजिक प्रयास है जो देशवासियों एवं सरकारों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नवीन इतिहास रचेगा.

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

- मिशन -
'दो हजार गाँव सूखामुक्त'

पिछले पांच वर्षों से महाराष्ट्र सूखे से जुझ रहा है। इस वर्ष भारतीय जैन संघटना के माध्यम से दो हजार गाँवो को सूखामुक्त करने की महत्त्वाकांक्षी योजना शुरू है। आगामी दो महिनो में इसे पुरा करके एक नया इतिहास रचा जायेगा। इस विशाल कार्य को पुरा करने के लिये दो हजार गाँवो के हजारो कार्यकर्ता दिनरात जूट गये है।

'पानी फौंडेशन' के योजना अंतर्गत प्रशिक्षण एवं श्रमदान करके लोग स्वावलंबी बनना चाहते है। जो कार्य श्रमदान से करना कठीन है, ऐसे कार्य को बीजेएस जेसीबी अथवा पोकलेन जैसे मशिनो द्वारा पुरा करने जा रही है। गाँव के लोग खुद के पैसों से इन मशिनो में डीझेल भरवाकर सहभागी भी बन रहे है।

हमारा सौभाग्य है कि, हम गाँवोंसे शहरोंमें आकर कामयाब हुये। अब इन गाँवोको मदद करना हमारा धर्म एवं कर्तव्य है। मुझे आशा है मानवता के इस यज्ञ मे आप जुडकर धर्म कि गरिमा को बढायेंगे।

मात्र एक लाख रूपये देकर एक गाँव को सूखामुक्त करने का सौभाग्य आप प्राप्त कर सकते है। गाँव का चयन कर परिवार के साथ आकर आप कार्य का शुभारंभ भी कर सकते है।

- शांतीलाल मुथ्था

#MAHARASHTRA DROUGHT - FREE MOVEMENT

संपर्क : सुहिता - ९८२३३३९११६
Email : sshendye@bjsindia.org
Website : www.bjsindia.org

प्रतिभाएँ - जो हमारी प्रेरणा के स्त्रोत हैं

इनसे मिलिए

श्री राकेश जैन 'प्रखर', इंदौर (म.प्र.)

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य-भारतीय जैन संघटना

'बिजनेस गुरु' के नाम से विख्यात श्री राकेश जैन 'प्रखर' देश के जाने-माने प्रबंध विशेषज्ञ हैं. 'बदलोगे तो बढ़ोगे' और 'ग्रोबिज' के सेमिनार व कार्यशालाओं के माध्यम से आपके स्टार्ट अप इण्डिया – स्टेंड अप इण्डिया के कार्यक्रम को भारत के 132 शहरों में 50,000 से अधिक व्यापारियों को ट्रेनिंग देकर आपने आपका नाम 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में शामिल करवा लिया है.

आप भारतीय जैन संघटना मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष हैं व वर्तमान में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व व्यापार विकास अभियान के राष्ट्रीय संयोजक हैं.

आपने M.Com., DMM, MBA की शिक्षा मेरिट से प्राप्त की है व ASCI, MCTE, IMC व Stanford, Maryland, Virginia, MIT जैसी ख्यातनाम यूनिवर्सिटीज़ से विशेष कोर्सेस भी किये हैं. CEO के पद पर रहकर आपने अपनी कंपनी को 500 करोड़ से ऊपर पहुंचाया तथा विश्व की टॉप 100 एग्री बिजनेस कंपनियों में स्थान दिलवाया एवं देश की टॉप 20 विदेशी मुद्रा कमाने वाली कंपनी के रूप में स्थापित किया. तीन मैनेजमेंट संस्थानों की स्थापना की जिनकी गिनती देश की टॉप 25 संस्थानों में हुई. आपको टेक्सटाईल, पशु आहार, सोयाबीन आधारित साल्वेंट प्लांट, तेल व वनस्पति घी, फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, LPG सिलेंडर, स्टील, इलेक्ट्रॉनिक्स,अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, रियल एस्टेट, शिक्षण आदि क्षेत्रों का 40 से अधिक वर्षों का गहन अनुभव है.

आप CII, FFE, FIEO, Indore Management Association, Pithampur Industries Association, Soyabean Processors Association, Rotary, JSG व अन्य अनेकों संस्थाओं में शीर्ष पदों पर रहे.

11 वर्ष की आयु में 'बाल प्रतिभा सम्मान पुरस्कार' आपको तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी से प्राप्त हुआ, Rotary Foundation, USA से 'विश्व शांति पुरस्कार', जेसीज से 'अद्वितीय प्रतिभावान युवा सम्मान' व 'प्रबन्धक सम्मान' प्राप्त हुआ. आपने अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किए हैं. बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री राकेश जैन सम्पूर्ण विश्व का भ्रमण कर चुके हैं.

'Managing Competition – Successful Strategies' व Rural Enterprenership Development for Inclusive of Sustainable Growth विषय पर आपके शोध प्रकाशित हो चुके हैं व 'Managing for Success' विषय पर आपने 10 पुस्तकों का लेखन व प्रकाशन भी किया है.

हमें इन पर गर्व हैं

सुनिल मावस्कर

सुनिल रामलाल मावस्कर 'मेलघाट' जिला-अमरावती, महाराष्ट्र के आदिवासी समाज से हैं जहाँ अत्याधिक गरीबी एवं सामजिक पिछड़ेपन के कारण सभी बच्चे आमतौर पर कुपोषण का शिकार तो होते ही हैं साथ ही समयोचित शारीरिक व अन्य विकास के अभाव में बीमारियों से ग्रस्त रहते हैं. श्री सुनिल मावस्कर को पुणे के वाघोली स्थित केंद्र में 11वीं कक्षा से अध्ययन करने का अवसर वर्ष 1997 में प्राप्त हुआ जब भारतीय जैन संघटना द्वारा कुपोषणग्रस्त बच्चों के शैक्षणिक पुनर्वसन प्रकल्प में उन्हें मेलघाट से पुणे लाया गया.

डॉ. मावस्कर की प्राथमिक शिक्षा मराठी में अरण्याचल 'मेलघाट' में हुई. पुणे में आकर हिंदी भाषा के प्रति रूचि जागृत हुई. प्रतिभाशाली यह बालक स्वयं की अभिव्यक्तियों को प्रथम मराठी में कलमबद्ध करने के पश्चात उसका हिंदी में अनुवाद कर अपार आनंद की अनुभूति करने लगा. यहीं से हिंदी विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने की स्व-प्रेरणा से एम.ए. किया. तत्पश्चात बी.एड.कर अमरावती में शिक्षक पद पर नियुक्त हुए. आपका राष्ट्र भाषा हिंदी से प्रेम ही था कि आपने 'डॉ.दामोदरदास खडसे की अनुदित कृतियों का मूल्यांकन' विषय पर अनुसन्धान कर PhD.की डिग्री प्राप्त की तथा Net एवं Set परीक्षा उत्तीर्ण कर वर्तमान में आप श्रीमती केशरबाई लाहोटी महाविद्यालय, अमरावती में आचार्य पद पर कार्यरत हैं. आप अब कोरकू आदिवासियों की संस्कृति व कला पर भी अनुसंधानरत हैं.

35 वर्षीय डा. मावस्कर बीजेएस विद्यालय वाघोली के सभी शिक्षकगण विशेषकर श्री अशोक पवार, डा. जोतीराम मोरे एवं डा. सिद्धेश्वर गायकवाड़ को प्रेरणा स्त्रोत मानते हैं जिन्होंने कच्ची मिटटी को शिल्प का स्वरुप प्रदान किया. आप श्री शांतीलालजी मुथ्था को अपना God Father मानते हैं जो मेलघाट आकर उनके माता-पिता की आज्ञा से उन्हें पुणे लेकर आये. उन्हें स्मरण है कि आ.मुथ्थाजी ने कहा था कि आपके गाँव से कुछ पौधे लेकर जा रहा हूँ और वायदा करता हूँ कि वृक्ष लौटाऊँगा.

डा. मावस्कर बीजेएस शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र के पूर्व विद्यार्थी संगठन के उपाध्यक्ष हैं व इस संस्था के सदस्यों को उनका नेतृत्व आपदा प्रबंधन व समाजहित के कार्यों हेतु प्रदान कर रहे हैं. आ. मुथ्थाजी के राष्ट्र निर्माण के स्वप्न को साकार करने में उनकी संस्था के योगदान को वह उनका सौभाग्य समझते हैं. आपका कहना है कि अमरावती के श्री सुदर्शन जैन, श्री प्रदीप जैन एवं परतवाड़ा के श्री ऋषभ बरडिया ने उनके जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

विशिष्ट प्रतिभा:

आदर्श एवं अनुकरणीय व्यक्तित्व : डॉ. सीमा राव

देश की युवतियों का यह सौभाग्य ही कहा जाएगा कि उन्हें उच्च शिक्षा, शौर्य एवं बहु-उपलब्धियों के मामले में डॉ. सीमा राव जैसा प्रेरणा स्त्रोत एवं अनुकरणीय व्यक्तित्व मिला है.

डॉ. सीमा देश की प्रथम कमांडो प्रशिक्षक हैं जो विविध भारतीय सैन्य को CQB (Close Quarter Battle) का प्रशिक्षण दे रही हैं. आप परम्परागत औषधकीय डाक्टर हैं तथा आपने आपातकालीन प्रबंधन में MBA किया है. पति मेजर दीपक राव के साथ आप अभी तक 15,000 सैनिकों को CQB का प्रशिक्षण दे चुकी हैं. Jeet Kune Do (मार्शल आर्ट) की आप विश्व की गिनी-चुनी कुछ श्रेष्ठ प्रशिक्षकों में से एक हैं. आप Mrs.India सौंदर्य प्रतियोगिता की finalist रह चुकी हैं.

विशेषरूप से भारतीय सैन्य हेतु लिखी गयी पुस्तक Encyclopedia of close Combat Opt training की डॉ. सीमा राव संयुक्त लेखिका हैं. वैश्विक आतंकवाद पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करती प्रथम भारतीय पुस्तक व बिना हथियारों के युद्ध पर कमांडो नियम पुस्तिका लेखन का गौरव सीमा राव ने प्राप्त किया है. आपके द्वारा लिखी पुस्तकें FBI, INTERPOL, UNITED NATIONS एवं SWAT Police के समस्त विश्व के वाचनालयों में उपलब्ध हैं. डा. सीमा बहु-सृजनशील लेखिका हैं जिन्होंने अब तक 8 पुस्तकें लिखी हैं.

आदर्श महिला की प्रतिकृति हैं डॉ. सीमा राव जिन्हें बीजेएस परिवार नमन करता है.

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार

दुबई जैन समाज से मिला बीजेएस प्रतिनिधि मंडल

11 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख के नेतृत्व में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुदर्शन जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेंद्र लुन्कड़ एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री निरंजन जुंवा जैन ने श्री संजय जैन द्वारा दुबई में आयोजित सभा में दुबई जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं - जैन संघ, जुमेरा जैन संघ, जैन सोश्यल ग्रुप तथा जीटो के पदाधिकारियों से शुभेक्षा मुलाकात की व मिडिल ईस्ट के देशों में बसे जैन समाज की सामाजिक आवश्यकताओं पर चर्चा की. सभा में यह निर्णय लिया गया कि मिडिल ईस्ट एवं अफ्रीकन देशों में बसे जैन परिवारों के विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के जीवन साथी चयन हेतु बीजेएस परिचय सम्मेलन का 23 जुलाई, 2017 को पुणे (महाराष्ट्र) में तथा अक्टूबर, 2017 के अंतिम सप्ताह में दुबई में आयोजन करेगा.

श्री दिनेश कोठारी के दुबई स्थित डी.पी.एस. स्कूल का बीजेएस सद्भावना प्रवास के सभी प्रतिभागियों ने भ्रमण किया. श्री कोठारी ने दुबई शहर व राज्य के बारे में रोचक व प्रेरणास्पद जानकारी प्रदान की.

श्री कोठारी, पाली राजस्थान के मूल निवासी हैं व फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशन इंस्टिट्यूट राजस्थान के राज्याध्यक्ष हैं.

बीजेएस दुबई प्रवास संपन्न

11 से 15 मार्च, 2017 को आयोजित इस सद्भावना प्रवास में 21 दम्पत्तियों सहित कुल 49 व्यक्तियों ने भाग लिया. विभिन्न राज्यों से जुड़े भारतीय जैन संघटना परिवार के सदस्यों ने शारजहा, दुबई एवं अबुधाबी का भ्रमण किया. मरीना धो क्रुज़, दुबई सिटी टूर एवं डेज़र्ट सफारी के रोमांचक एवं विस्मयकारी अनुभव सहित बुर्ज़ खलीफा, जुमेरा बीच भ्रमण के अतिरिक्त दुबई मॉल, गोल्ड सुक व मीना बाज़ार में खरीदी का आनंद उठाया. एक दिवसीय अबुधाबी भ्रमण में संयुक्त अरब अमीरात की सबसे बड़ी, कलात्मक एवं सुन्दर मस्जिद व अबुधाबी शहर की सुन्दरता ने सभी का मनमोह लिया. वहीं 'फेरारी वर्ल्ड' का अनुभव आल्हादित रहा.

यह प्रवास बीजेएस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के मध्य प्रगाढ़ता व निकटता लाने में सफल रहा. इस प्रवास का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेंद्र लुन्कड़ के सानिध्य में प्रवास संयोजक श्री रजनीश जैन, नागपुर ने निखार ट्रेवल्स, नागपुर के सहयोग से किया.

यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम 2017

वर्ष 2015 एवं 2016 में आयोजित यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के पश्चात इस वर्ष 18 दिवसीय तृतीय JITO-JAINA- BJS का 'JAIN YOUTH EXCHANGE PROGRAMME'18 जून से 10 जुलाई, 2017 को आयोजित होगा जिसमें देश भर से चयनित किये जाने वाले 18 से 23 वर्ष की आयु के उच्चशिक्षित युवक-युवती भाग लेंगे. अमेरिका में बसे जैन परिवारों के साथ रहने, उनकी संस्कृति व जीवन पद्धत्ति तथा सामाजिक पारिवारिक मूल्यों को समझने व भारतीय संस्कृति को उन तक पहुँचाने के अवसर प्राप्त करने के अतिरिक्त अमेरिका के बड़े शहरों न्यूयार्क, वाशिंगटन एवं सेनफ्रांसिस्को का भ्रमण व YOUNG JAIN OF AMERICA CONVENTION में भाग लेंगे.

बीजेएस के आगामी परिचय सम्मेलन

आगामी अप्रेल एवं मई माह में निम्न परिचय सम्मेलनों एवं मेट्रीमोनिअल गेट टू गेदर का आयोजन होगा. इच्छुक परिवारों से प्रार्थना है कि उनके प्रत्याशियों का रजिस्ट्रेशन शीघ्रति-शीघ्र करवाएं :

विवरण	दिनांक	स्थान	संपर्क सूत्र	मोबाईल न.
परिचय सम्मेलन	16 अप्रेल, 17	कोल्हापुर	अनिल पाटिल	98500 82849
परिचय सम्मेलन	30 अप्रेल, 17	नाशिक	सतीश डूंगरवाल	98236 44114
परिचय सम्मेलन	21 मई, 17	पुणे	श्रीपाल लालवानी	98239 77472
मेट्रीमोनिअल गेट टू गेदर	21 मई, 17	इंदौर	श्री दिलीप दोसी श्रीमती रेखा जैन	94066 09998 93294 42524

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600